कोटद्वार, मंगलवार
10 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 281 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गंगोत्री हाईवे पर गणेशपुर से स्याबा तक पहाड़ी से गिर रह हैं पत्थर

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने गंगोत्री हाईवे पर गणेशपुर से स्याबा तक पहाड़ी से गिर रहे पत्थरों से सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि गणेशपुर के नेडा नामे तोक की पहाड़ी सहित लालढांग से स्याबा पुल तक साफ मौसम में भी कई बार पत्थर गिरने के कारण बड़े हादसों का खतरा बना हुआ है। तीन दिन पूर्व भी गणेशपुर के समीप पत्थर गिरने से एक युवक की मौत हो गई थी। भटवाड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधियों ने पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण के नेतृत्व में डीएम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गंगोत्री हाईवे पर पहाड़ी और चट्टानों से झूलते बोल्डर और गिरते पत्थर लगातार खतरा बन रहे हैं। तीन दिन पूर्व गणेशपुर के समीप वनाग्नि के कारण गिरे पत्थर की चपेट में आने से लाटा निवासी युवक की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने कहा कि वहां पर साफ मौसम और बिना वनाग्नि के भी कई बार पत्थर गिरने के कारण लोग चोटिल हो गए हैं। साथ ही लालढांग से स्याबा पुल तक करीब दो किमी के क्षेत्र में भी पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने का भय बना रहता है। साथ ही बरसात में इन स्थानों पर बोल्डर आने के कारण कई दिनों तक हाईवे पर आवाजाही बंद हो जाती है। इसलिए उन्होंने जिलाधिकारी से वार्ता कर मांग की है कि इस संबंध में बीआरओ को निर्देशित कर जल्द ही सुरक्षात्मक कार्य करवाए जाए।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। सिडकुल थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार नाबालिग के मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। आरोपी सिडकुल क्षेत्र की फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस के मुताबिक 20 फरवरी 2026 को पांडुवा बसंत खेड़ा यूपी उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति ने सिडकुल में तहरीर देकर बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक अज्ञात युवक बहला–फुसलाकर ले गया है। थाना सिडकुल पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने 27 फरवरी को अपहृत नाबालिग को बरामद कर लिया था। मामले की जांच के दौरान आरोपी रोहित पुत्र वेद प्रकाश निवासी ग्राम नकटी नारायणपुर गुरडिया जिला बरेली उत्तर प्रदेश, हाल निवासी रोशनाबाद थाना सिडकुल का नाम प्रकाश में आया। वह घटना के बाद फरार था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उसके ठिकानों पर दबिश दे रही थी। सोमवार को पुलिस ने उसे रावली महदूद स्थित पाल मार्केट के पास खाली मैदान से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष सिडकुल नितेश शर्मा ने बताया कि नाबालिग के मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाई गई हैं।

काफलीगैर में बेटियों ने मां को मुखाग्नि दी

बागेश्वर। काफलीगैर तहसील के लोब निवासी 85 साल की बिसनुली देवी पत्नी स्व. श्याम लाल को उनकी बेटियों ने मुखाग्नि दी। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार बिसनुली देवी कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। रविवार की शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार की सुबह सरयू संगम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। चिता को मुख्याग्नि उनकी बेटी गोविंदी लोबियाल तथा लीला देवी ने दी है। गोविंदी लोबियाल दमुवांढूंगा हल्द्वानी में कांग्रेस महिला ब्लॉक अध्यक्ष हैं।

पश्चिम एशिया से 50 उड़ानों की योजना बना रहीं भारतीय एयरलाइंस

नई दिल्ली ,केंद्र सरकार के अनुसार ईरान युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशिया क्षेत्र के हवाई अड्डों से सोमवार को भारत की एयरलाइंस द्वारा 50 आने वाली उड़ानों की योजना बनाई गई है। यह ऑपरेशन की क्षमता और मौजूद परिस्थितियों के आधार पर संचालित होंगी। भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, स्पाइस जेट और अकासा एयर दुबई, अबू धाबी, रास अल खैमाह, फुजैरा, मस्कट और जेद्दा से उड़ानें संचालित करने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने पेश किया 1,11,703.21 करोड़ का बजट

संतुलित वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता उत्तराखंड का बजट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड में वित्तीय अनुशासन और विकास के संतुलन को मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। लगभग 1,11,703.21 करोड़ के इस बजट में जहां विकास की गति को बढ़ाने पर जोर है, वहीं मजबूत राजकोषीय प्रबंधन की झलक भी स्पष्ट दिखाई देती है।

वर्ष 2025-26 के सापेक्ष 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य सरकार ने बजट में वित्तीय जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखते हुए एफआरबीएम अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया है। बजट के अनुसार राज्य में राजस्व आधिक्य की स्थिति बनी हुई है, जो दर्शाता है कि सरकार की आय उसके राजस्व व्यय से अधिक है। यह स्थिति किसी भी राज्य की मजबूत वित्तीय सेहत का संकेत मानी जाती है। बजट में 2536.33 करोड़ का राजस्व सरप्लस दिखाया गया है। राजकोषीय अनुशासन के तहत राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर रखा गया है। इसी प्रकार लोक ऋण भी जीएसडीपी के 32.50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अंदर बनाए रखा गया है। यह दर्शाता है कि सरकार विकास कार्यों पर खर्च करते हुए भी ऋण प्रबंधन और वित्तीय संतुलन पर पूरा ध्यान दे रही है। राजस्व आधिक्य, सीमित राजकोषीय घाटा और नियंत्रित सार्वजनिक ऋण जैसे संकेतक बताते हैं कि राज्य सरकार ने वित्तीय प्रबंधन में सावधानी और दूरदर्शिता अपनाई है। इससे भविष्य में विकास परियोजनाओं को स्थिर वित्तीय आधार मिलने की संभावना और मजबूत होगी। कुल मिलाकर यह बजट विकास और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ज्ञान मॉडल से समग्र विकास का रोडमैप, गरीब-युवा-किसान-महिलाओं के सशक्तिकरण पर फोकस

समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प ज्ञान मॉडल के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाना है। इस मॉडल में गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी सशक्तिकरण को विकास के चार प्रमुख स्तंभ के रूप में रखा गया है। कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दृष्टि से बजट में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान मॉडल के माध्यम से गरीबों के उत्थान, युवाओं के सशक्तिकरण, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी तथा उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई योजनाओं में बजट बढ़ाया गया है। अन्नपूर्ति योजना के लिए 1300 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 298.35 करोड़ और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 56.12 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के आवास के लिए 25 करोड़, परिवहन निगम की बसों में निर्धारित श्रेणी के यात्रियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 42 करोड़ तथा रसोई गैस पर अनुदान के लिए 43.03 करोड़ रखे गए हैं। साथ ही दिव्यांग, तीलू रौतेली और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लिए 167.05 करोड़ तथा आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए 25 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भी कई योजनाओं को मजबूती दी गई है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए 60 करोड़, पलायन रोकथाम योजना के लिए 10 करोड़ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के लिए 62.29 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा गैर सरकारी महाविद्यालयों को सहायता के लिए 155.38 करोड़, शिक्षा मित्रों के मानदेय के लिए 10 करोड़ तथा मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना के लिए 10 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कई योजनाओं को बजट में शामिल किया गया है। ट्राउट प्रोत्साहन योजना के लिए 39.90 करोड़, मिशन एप्पल के लिए 42 करोड़, दुग्ध उत्पादकों के प्रोत्साहन के लिए 32 करोड़ तथा दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के लिए 42.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 160.13 करोड़, मिलेट मिशन के लिए 12 करोड़ तथा किसान पेंशन योजना के लिए 12.06 करोड़ भी निर्धारित किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार ने विशेष प्रावधान किए हैं। नंदा गौरा योजना के लिए 220 करोड़, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के लिए 47.78 करोड़ और मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना के लिए 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना, महिला पोषण योजना, आंचल अमृत योजना और स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण जैसी योजनाओं के लिए भी बजट रखा गया है।

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बिगड़ेगा मौसम, 6 दिन बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

देहरादून।उत्तराखंड में मौसम की आंखमिचौली देखी जा रही है। पहाड़ों में भी गर्मी महसूस की जा रही रही है। हालांकि कटऊ की मानें तो उत्तराखंड मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में गरज चमक के साथ हल्की बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में 3800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में 15 मार्च तक मौसम खराब रह सकता है। वहीं मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।इन जिलों में बारिश के आसारः मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ बहुत हल्की बारिश की संभावना जताई है। इन जिलों में 3800 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी की संभावना जताई गई है। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 14 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी है। इन्हीं जिलों में 3500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर हल्की बर्फबारी भी देखी जा सकती है। इस दिन देहरादून, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और अल्मोड़ा जिलों में भी कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश देखी जा सकती है। मौसम विभाग ने 15 मार्च को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। वहीं इन जिलों में 3500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फबारी के भी आसार बन रहे हैं। उत्तराखंड के बाकी पहाड़ी जिलों में भी गरज चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो इस हफ्ते 15 मार्च तक मौसम की बेरुखी देखी जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, 11 से लेकर 13 मार्च के दौरान उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ बहुत हल्की बारिश हो सकती है। इन जिलों में 11 से लेकर 13 मार्च के दौरान ही 3800 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। उत्तराखंड के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

राजधानी दिल्ली के करीब लगे भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग

नई दिल्ली ,राजधानी दिल्ली से थोड़ी ही दूर रेवाड़ी में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के रेवाड़ी में 5 किमी की गहराई में था।

सुबह 7 बजकर 1 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए। वहीं रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.8 दर्ज की गई है। हालांकि इससे किसी भी अप्रिय घटना की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। झटकों के बाद कुछ लोग घरों से बाहर आ गए थे। हाल के दिनों में देश–दुनिया के कई इलाकों में भूकंप की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हमारी धरती के भीतर 7 टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार अपने स्थान पर घूमते रहती हैं। हालांकि, कभी–कभी इनमें टकराव या घर्षण भी होता है। इसी कारण धरती पर भूकंप की घटनाएं देखने को मिलती हैं। इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम जनजीवन को उठाना पड़ता है। भूकंप से मकानें गिर जाती हैं, जिसमें दबकर हजारों लोगों की मौत हो जाती है।

भारतीयों की सुरक्षा मुख्य चिंता का विषय–एस. जयशंकर

नई दिल्ली ,भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में भारी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, इसलिए यह लड़ाई भारत के लिए खास चिंता की बात है। राज्यसभा में सत्र शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के दौरान भारतीय नागरिकों की मौत के मुद्दे को उठाने की कोशिश की, जिस पर विरोध शुरू हो गया। इसके बाद अध्यक्ष सी.पी. राधाकृष्णन ने खड़गे से अपने हस्तक्षेप को समाप्त करने का आग्रह किया और विदेश मंत्री को सदन में अपना बयान देने के लिए आमंत्रित किया। सदन में जोरदार नारेबाजी के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अमेरिका–इजरायल के हमलों के बाद शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक विनाश और इस्लामी शासन के कई वरिष्ठ नेताओं की मौत हुई और तब से हालात और खराब हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि यह तनाव कई देशों में फैल गया है। सरकार ने 28 फरवरी को एक बयान जारी कर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था।

हमारा मानना था और तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी अपनाई जानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि इस क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और प्रादेशिक अखंडता का सम्मान किया जाए। डॉ. जयशंकर ने बताया, हालात की गंभीरता को देखते हुए 1 मार्च को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की मीटिंग हुई। इसमें ईरान में हुए एयरस्ट्राइक और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों के बारे में जानकारी दी गई। सीसीएस इस इलाके में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंतित थी। इसने इलाके की सुरक्षा और आर्थिक और कमर्शियल गतिविधियों पर पड़ने वाले असर पर भी ध्यान दिया।

श्री दरबार साहिब में मनोतियां मांगने उमड़ी संगत

देहरादून। श्री झंडे जी के आरोहण के बाद सोमवार को भी दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज परिसर में संगतों की भारी चहल–पहल रही। देश–विदेश से आई संगतों के साथ सोमवार को भारी संख्या में दूनवासियों ने भी श्री झंडे जी पर शीश नवाया। संगतों ने श्री झंडा साहिब एवं श्री दरबार साहिब में मत्था टेककर अपनी मनोकामनाएं मांगी। अल सुबह से ही दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज के दर्शनों के लिए संगतें कतारों में खड़ी रहीं। श्री महाराज ने संगतों को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। सोमवार को श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में गुरु महिमा तथा गुरु भक्ति का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरु की शरण में आकर ही मनुष्य को सच्चे मार्ग का ज्ञान प्राप्त होता है। गुरु की वाणी अमृत के समान है, जो मानव जीवन को पवित्र और सफल बनाती है। भक्ति, सेवा और सत्कर्म ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। जो व्यक्ति सच्चे मन से गुरु का स्मरण करता है, उस पर सद्गुरु की असीम कृपा बरसती है और उसका जीवन सुख–शांति व आध्यात्मिक आनंद से भर जाता है। श्री महाराज ने संगतों को गुरु भक्ति, प्रेम, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से ही मनुष्य जन्म–मृत्यु के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज की अगुआई में 10 मार्च को ऐतिहासिक नगर परिक्रमा होगी। परंपरा के अनुसार श्री झंडा जी के आरोहण के तीसरे दिन नगर परिक्रमा के लिए संगतें पहुंचती है। नगर परिक्रमा देहरादून के नगरवासियों के लिए भी ऐतिहासिक क्षण होता है, जब देश–विदेश की संगत उनके बीच होती है।गुरु महिमा के भजनों व कीर्तन की रही धूमसोमवार सुबह से ही श्री दरबार साहिब परिसर में गुरु महिमा एवं श्री गुरु राम राय जी महाराज के भजनों–कीर्तनों की धूम रही। भक्ति और श्रद्धा से सराबोर वातावरण में संगतों ने गुरु महिमा का गुणगान किया। पूरा परिसर भक्ति रस में डूबा नजर आया। गुरु बिन घोर अंधेरा, गुरु से ही उजियारा, सतगुरु तेरी महिमा अपरम्पार, तथा मेरे सतगुरु दाता मेहर कर दाता जैसे भजनों के साथ–साथ श्री गुरु राम राय जी महाराज की महिमा का बखान करते अनेक भजन गूंजते रहे। संगतों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भजनों का आनंद लिया, जिससे पूरा श्री दरबार साहिब परिसर भक्तिमय माहौल से महिमामयी हो उठा।

दिल्ली के नांगलोई में डीटीसी बस ने कई लोगों को कुचला, दो की मौत

नई दिल्ली , बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। नांगलोईझनजफगढ़ रोड पर थाना निहाल विहार क्षेत्र के कमरुद्दीन नगर गांव मोड़ के पास डीटीसी की एक बस ने कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। डीटीसी बस तेज रफ्तार में आ रही थी। इस दौरान बस ने पहले एक स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बस आगे बढ़ते हुए एक ई–रिक्शा और सड़क किनारे मौजूद कुछ लोगों को भी अपनी चपेट में लेती चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोग और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में वहां जमा हो गए। हादसे से नाराज लोगों ने बस में तोड़फोड़ शुरू कर दी और गुस्से में बस में आग भी लगा दी। स्थिति को काबू में करने के लिए दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया।

खाई में गिरा पिकअप वाहन, चालक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल से सतपुली की ओर जा रहा एक पिकअप वाहन मल्ली सतपुली के समीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में पिकअप वाहन चला रहे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस टीम ने रेस्क्यू अभियान चालकर शव को खाई से बाहर निकाला। सतपुली पुलिस को सूचना मिली कि गुमखाल की ओर से आ रहा एक पिकअप वाहन सतपुली मल्ली के समीप दुर्घाटना ग्रस्त हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाया शुरु किया। कई घंटे के प्रयास के बाद पुलिस ने चालक को खाई से बाहर निकाला। लेकिन, मौके पर ही उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश जिला हापुर, पिलखुवा निवासी हरि ओम के रूप में हुई है। बताया कि वाहन पिलखुवा से पौड़ी की ओर आयुर्वेदिक दवाएं लेकर जा रहा था। वाहन में केवल चालक ही मौजूद था।

युवाओं की विकसित होती सोच देश की सबसे बड़ी ताकत–पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार श्रृंखला के चौथे वेबिनार को संबोधित किया, जिसका विषय था सबका साथ सबका विकास झ्र जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति। पीएम ने बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर विचार–विमर्श करने के लिए विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं का स्वागत किया। पीएम ने कहा, जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति मात्र एक विषय नहीं है। यह इस बजट का मूल उद्देश्य और इस सरकार का संकल्प है। पीएम मोदी ने विशेष रूप से उभरती 'देखभाल अर्थव्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर देखभालकर्ताओं की बढ़ती मांग की ओर ध्यान आकर्षित किया और विशेषज्ञों से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, मैं इस वेबिनार में उपस्थित स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से नए प्रशिक्षण मॉडल और साझेदारियों को विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह करूंगा ताकि देश में प्रशिक्षण व्यवस्था और भी मजबूत हो सके। प्रधानमंत्री ने दूरस्थ क्षेत्रों तक टेलीमेडिसिन की पहुंच की सफलता का उल्लेख किया। इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने उपयोगकर्ता अनुभव को और सरल बनाने तथा जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम मोदी ने कहा, मेरा मानना है कि टेलीमेडिसिन के बारे में जागरूकता और इसके उपयोग में आसानी बढ़ाने की अभी भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं की विकसित होती सोच को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया और इस भावना के अनुरूप शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नई शिक्षा नीति एक ऐसे पाठ्यक्रम की नींव रखती है जो बाजार की मांगों और वास्तविक अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के अनुरूप होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करना होगा। शिक्षा, रोजगार और उद्यम के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने ए.वी.जी.सी. (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान–आधारित शिक्षा के केंद्रों में बदलने का आह्वान किया ताकि छात्रों को आवश्यक वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

मोदी ने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि इस वेबिनार में, अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान–आधारित शिक्षा के केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विचार–विमर्श अवश्य करें।

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती संख्या पर गर्व व्यक्त किया और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में बेटियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। युवा शोधकर्ताओं को बिना किसी बाधा के नवाचार और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले एक सशक्त अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का आह्वान करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमें ऐसा अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जहां युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और काम करने का पूरा अवसर मिले।

रोजगार सृजन में पर्यटन और संस्कृति की क्षमता पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पारंपरिक स्थलों से परे नए पर्यटन स्थलों का विकास किसी शहर की ब्रांडिंग और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। अब हम देश में पर्यटन स्थलों को नए सिरे से विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रशिक्षित गाइड, आतिथ्य कौशल, डिजिटल संपर्क और सामुदायिक भागीदारी हमारे पर्यटन क्षेत्र के स्तंभ बन रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इसके साथ ही स्वच्छता और सतत प्रथाएं भी आवश्यक हैं। भारत को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में मजबूत करने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं, ऐसे में पर्यटन और संबंधित क्षेत्रों पर आपके सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

1.11 लाख करोड़ रुपये का बजट

धामी सरकार का वित्तीय वर्ष 2026–27 का पेश कर दिया गया है। सरकार का दावा है कि बजट भविष्य का रोडमैप है जो केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने वाला बजट है। हालांकि विपक्ष ने निराश करने वाला बजट बताया है। इस बार लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये का यह बजट पेश किया गया है जिसके पीछे विकास, विरासत, संस्कृति और आधुनिकता के संतुलन को आधार बनाया गया है। राज्य गठन के समय उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 14,500 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3.81 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यानी राज्य की आर्थिकी में 26 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2000–01 में 15,285 रुपये थी, जो वित्तीय वर्ष 2025–26 में बढ़कर 2,73,921 रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में राज्य की वास्तविक विकास दर 7.23 प्रतिशत अनुमानित है, जो राष्ट्रीय औसत के आसपास है। इस बार बजट में कुल 1,11,703 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है, जिसमें 64,989 करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 18,153 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय शामिल हैं। वहीं कुल प्राप्तियां 1,10,143 करोड़ रुपये अनुमानित हैं। केंद्र सरकार से मिलने वाले करों में राज्य के हिस्से के रूप में लगभग 17,415 करोड़ रुपये तथा विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत लगभग 18,491 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त होगी।इस बार के बजट की खास बात यह है कि बजट गरीब, किसान, युवा और मातृशक्ति को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। युवाओं के लिए शिक्षा और खेल के क्षेत्र में 11,871 करोड़ रुपये तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए 586 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषि और बागवानी क्षेत्र में 1,113 करोड़ रुपये, जबकि पशुपालन, डेयरी और मत्स्य क्षेत्र के लिए 815 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। महिलाओं सशक्तिकरण की दिशा में 19,692 करोड़ रुपये का जेंडर बजट रखा गया है। परंपरागत बिंदुओं के अलावा इस बार बजट में कुंभ मेला, साइबर सुरक्षा, इको–टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व उभरती तकनीकों के लिए भी शामिल हैं। इस बार के बजट को संतुलन के मूल मंत्र से जोड़ा गया है जिसमें राज्य के लक्ष्य विकास और पर्यावरण के संतुलन के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की अवधारणा शामिल है।

औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण

डब्ल्यूडब्ल्यूडी को सीआईटीईएस (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते) को स्वीकार करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

डब्ल्यूडब्ल्यूडी 2026 का विषय औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण है, जो स्वास्थ्य और आजीविका के लिए पादप संबंधी संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डालता है। लगभग 15,000 औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ भारत जैव विविधता से समृद्ध 17 विशाल देशों में से एक है। इनमें से 8,000 का उपयोग भारतीय औषधियों में किया जाता है जिससे यह औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बन गया है। राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली की ओर से संरक्षित 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों के साथ भारत प्राकृतिक पर्यावास और उससे बाहर विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों के माध्यम से सक्रिय रूप से औषधीय और सुगंधित पौधों को नष्ट होने से बचाने में लगा हुआ है। विश्व में प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से वन्य जीवों और वनस्पतियों के सम्मान और लोगों तथा पृथ्वी के लिए उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घोषित यह दिन वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते (सीआईटीईएस) को स्वीकार करने का प्रतीक है जो यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को मजबूत करता है कि वन्यजीवों से संबंधित व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। यह दिवस इस बात को रेखांकित करता है कि वन्यजीव न केवल प्रकृति की सुंदरता का हिस्सा हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका, जलवायु परिवर्तन से निपटने की सामर्थ्य और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे समय में जब जैव विविधता को वन्यजीवों के निवास स्थान के विनाश, अत्यधिक शोषण, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है तब विश्व वन्यजीव दिवस वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैविक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी रूप से उपयोग करने के लिए एक वैश्विक आह्वान है।

विश्व वन्यजीव दिवस 2026 का विषय – औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण – दवाइयों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पौधों के महत्व, सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने में उनकी भूमिका और स्थानीय समुदायों को उनसे होने वाली आय पर बल देता है। संपूर्ण विश्व में विकासशील के 70–95 प्रतिशत लोग आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पारंपरिक औषधियों पर निर्भर करते हैं जिसमें से अधिकतर पौधों से मिलने वाले संसाधनों से प्राप्त होती हैं। औषधीय और सुगंधित पौधे पारंपरिक औषधीय प्रणाली की नींव हैं और आधुनिक दवा निर्माण उद्योग में भी अहम योगदान देते हैं। स्वास्थ्य के लिए उपयोग के अतिरिक्त ये पौधे परागण के लिए कीट और पक्षियों की सहायता करके, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर और जैव विविधता को बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण विशेष रूप से भारत जैसे से भरपूर देशों के लिए वैश्विक प्राथमिकता का विषय है।

भारत में औषधीय और सुगंधित पौधों की समृद्ध जैव विविधता

वन्यजीव दिवस 2026 का विषय भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत जैव विविधता से समृद्ध विश्व के 17 विशाल देशों में से एक है और विश्व की जैव–विविधता का 7 प्रतिशत भाग इसी देश में है। यहां 15 कृषि–जलवायु क्षेत्र, 45,000 विभिन्न पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें से 15,000 औषधीय पौधे हैं। इनमें से लगभग 8,000 प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। भारत के लगभग 70 प्रतिशत औषधीय और सुगंधित पौधे (एमएपी) पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय और अरावली क्षेत्र के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने 5,250 से अधिक पौधों की प्रजातियों की पहचान की है और विभिन्न रोगों के संबंध में उपयोग के लिए 9,567 से अधिक लोक दावों का प्रलेखण किया है। भारत इस समृद्ध विरासत

की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की ओर से औषधीय पौधों के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए समर्पित योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और विपणन में सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रयास औषधीय पौधों की अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के लिए भारत की मजबूत और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संरक्षण तंत्र

भारत ने औषधीय और सुगंधित पौधों की अपनी समृद्ध विरासत को बचाने के लिए मजबूत और कई स्तरों वाला तरीका अपनाया है।

प्राकृतिक पर्यावासों में (इन–सीटू) संरक्षण

प्राकृतिक पर्यावासों में यथास्थान (इन–सीटू) संरक्षण का अर्थ है पौधों और जानवरों को उनकी उत्पत्ति के प्राकृतिक स्थलों पर सुरक्षित रखना। यह कार्य राष्ट्रीय उद्यानों, बायोस्फीयर रिजर्व और जीन अभयारण्यों के माध्यम से किया जाता है। औषधीय पौधों के लिए इस तरह के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्र पहल (एमपीसीए) है। एमपीसीए एक नामित स्थल है जिसका उद्देश्य औषधीय पौधों की प्रजातियों को उनके प्राकृतिक आवासों में संरक्षित करना है। वर्तमान में भारत में 108 एमपीसीए साइट हैं जो यथास्थान (इन–सीटू) संरक्षण तकनीकों का उपयोग करके जैविक और सांस्कृतिक विविधता के साथ–साथ स्वदेशी स्वास्थ्य परंपराओं को लागू करने के लिए उपयुक्त मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्राकृतिक पर्यावास से बाहर (एक्स–सीटू) संरक्षण

एक्स–सीटू संरक्षण का अर्थ है अपने प्राकृतिक आवासों के बाहर नियंत्रित परिस्थितियों में पौधों के आनुवंशिक संसाधनों की सुरक्षा करना ताकि दीर्घकालिक रूप से संरक्षण और जंगलों में संभावित रूप से उन्हें पुनः लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। भारत में, इसके अंतर्गत राष्ट्रीय बीज जीन बैंक, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली में 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों (एमएपी) का संरक्षण शामिल है। इन एक्स–सीटू विधियों का उपयोग खराब बीजों की उत्पत्ति या वानस्पतिक प्रसार वाली प्रजातियों के लिए किया जाता है। साथ में, वे भविष्य में उपयोग के लिए औषधीय पौधों की विविधता को सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

प्रमुख सरकारी योजनाएं और पहल

सरकार ने देश भर में औषधीय पौधों के संरक्षण, खेती और सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख योजनाएं और पहल शुरू की हैं।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम)

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) आयुष मंत्रालय की प्रमुख योजना है जिसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यम से लागू किया गया है। यह फसलों की विविधता में सहायता करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि प्रणालियों के साथ जोड़कर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देता है। यह मिशन गुणवत्ता में सुधार और मूल्य वर्धित आयुष उत्पादों के संबंध में सहयोग के लिए अच्छी कृषि और संग्रह के तौर–तरीकों (जीएसीपी) का पालन करते हुए खेती को प्रोत्साहित करता है।

एनएएम आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयू एंड एच) दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण को भी मजबूत करता है, उनके लिए कच्चे माल की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित करता है और एक औषधीय पौधों के मजबूत क्षेत्र को विकसित करने के लिए अनुसंधान, प्रसंस्करण और विपणन में सार्वजनिक–निजी सहयोग को बढ़ावा देता है।

औषधि वनस्पति मित्र कार्यक्रम (एवीएमपी)

यह कार्यक्रम औषधीय पौधों के संरक्षण, खेती और विपणन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए व्यक्तियों, समुदायों और संस्थानों की पहचान करता है और उन्हें पुरस्कृत करता है। यह अधिक लोगों को औषधीय पौधों को बचाने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना

यह योजना भारत सरकार की ओर से एनएमपीबी के माध्यम से औषधीय पादप संरक्षण और विकास क्षेत्रों (एमपीसीडीए) की स्थापना करके उनके प्राकृतिक पर्यावासों में औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही है। इस योजना का परिव्यय 2021–22 से 2025–26 की अवधि के लिए 322.41 करोड़ रुपये है। संरक्षण की पहल को अवक्रमित और ग्रामीण भूमि पर वृक्षारोपण में सहयोग करके भी बढ़ावा दिया जाता है। इसमें अनुसंधान और गुणवत्ता के आश्वासन पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया जाता है जिन्हें देश भर में जीएसीपी और अपरिष्कृत दवा भंडार के माध्यम से सहयोग मिलता है।

ई–चरक और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)

ई–चरक पोर्टल किसानों को बाजारों से जोड़ता है और पूरे भारत में 25 जड़ी–बूटी बाजारों से अद्यतन मूल्य की जानकारी प्रदान करता है। एमएसपी तंत्र यह सुनिश्चित करता है कि किसानों को उनके औषधीय पौधों की उपज के लिए उचित मूल्य मिले, टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित किया जाए और वन्य स्त्रोतों पर दबाव कम किया जाए।

हर्बल गार्डन और जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूलों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर जड़ी–बूटियों के हर्बल गार्डन को बढ़ावा दिया जाता है। दैनिक जीवन में औषधीय पौधों के महत्व को उजागर करने के लिए रेडियो, टीवी और प्रिंट मीडिया पर विशिष्ट प्रजातियों से जुड़े मल्टीमीडिया अभियान भी चलाए जाते हैं।

पर्यावास पुनर्वास के लिए इको टास्क फोर्स

पूर्व सैनिकों और प्रादेशिक सेना के कर्मियों को शामिल करते हुए इको टास्क फोर्स तंत्र महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की उत्पत्ति के प्राकृतिक स्थानों को पुनर्जीवित करने और उनका पुनर्वास करने में लगा हुआ है। प्रत्येक इको टास्क फोर्स प्रति वर्ष कम से कम 400 हेक्टेयर क्षेत्र में कार्य करता है जिसमें देशी औषधीय पौधों की प्रजातियों का न्यूनतम 60 प्रतिशत रोपण होता है।

स्थानीय समुदायों को आजीविका सहायता

यह योजना संयुक्त वन प्रबंधन समितियों, स्वयं सहायता समूहों, वन पंचायतों और जैव विविधता प्रबंधन समितियों को वित्तीय और ढांचागत सहायता प्रदान करती है। यह स्थानीय समुदायों को औषधीय पौधों के मूल्य संवर्धन, जैव पदार्थों को सुखाने, उनके भंडारण और विपणन में मदद करता है जिससे उनकी आजीविका में सीधे सुधार होता है।

द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

एनएमपीबी खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और विश्व बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग के माध्यम से वैश्विक स्तर पर औषधीय पादप संरक्षण को मुख्यधारा में लाने के लिए कार्य करता है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भी भाग लेता है और भारत के पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के लिए काम करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि वैश्विक समझौतों के अंतर्गत उचित तरीके से लाभ साझा किया जाए।

न्यायिक उत्तर ढूंढना नजरिया

सवीच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा–निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है।

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ–रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो 'सामान्य दिशा–निर्देशइ जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सवीच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा–निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है।

बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा–निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी रहीं। उनका ही जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका

दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की 'सूक्ष्म निगरानीइ करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है।

कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में 'सामान्य दिशा–निर्देशइ देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। इस तरह चीफ जस्टिस ने अदालती दायरे की पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वतः संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे 'न्यायिक सक्रियताइ कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपनाए रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा। बहरहाल, उन समूहों के लिए संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आसान एवं आलसी नजरिया है। वैसे समाधान असल में सार्वजनिक जीवन की धूल–धक्कड़ में उतर कर ही खोजे जा सकेंगे।

टॉक्सिक की बदली रिलीज डेट, सामने आई ये बड़ी वजह, धुरंधर 2 से नहीं होगा क्लैश

साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक यश स्टार फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स का इंतजार पूरे देश को है. यश के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. यश पूरे चार साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं. फिल्म टॉक्सिक को लेकर आज 4 मार्च को बहुत ही चौंकाने वाला फैसला सामने आया है. मेकर्स ने टॉक्सिक की रिलीज डेट बदल दी है. फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी. इस दिन रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 से उसका सामना होना था, लेकिन अब टॉक्सिक और धुरंधर 2 का क्लैश खत्म हो चुका है. मेकर्स ने आज फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने के साथ–साथ इसका कारण भी बताया है. मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने का कारण बताते हुए लिखा है, टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स एक ऐसी फिल्म है जिसे हमने वैश्विक दर्शकों के लिए सिनेमा बनाने की परिकल्पना के साथ बनाया था. कन्नड़ और अंग्रेजी में फिल्माई गई यह फिल्म देश और दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ने के दृढ़ विश्वास के साथ बनाई गई है. सालों की मेहनत के बाद, हम 19 मार्च को अपनी फिल्म आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्साहित थे. हालांकि, वर्तमान अनिश्चितता, विशेष रूप से मध्य पूर्व में, ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने के हमारे लक्ष्य को प्रभावित करती है.

द केरल स्टोरी 2 ने 8वें दिन भी मचाई धूम

उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया स्टारर द केरल स्टोरी 2 ने अपना पहला हफ्ता पूरा कर लिया है और अब तक इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई अच्छी रही है. हालांकि सीक्वल फ़ैक्टर को ध्यान में रखें, तो ये फिल्म अपने पहले पार्ट के मुकाबले बंपर कमाई नहीं कर पाई है लेकिन अगर हम उन्हें अलग–अलग देखें, तो कलेक्शन ठीक–ठाक रहे हैं. ये घरेलू कमाई से पूरा बजट वसूलने की ओर बढ़ रही है, और दूसरे वीकेंड पर हर हालत में ये सक्सेसफुल फिल्म होने का टैग हासिल कर ही लेगी. इसी के साथ चलिए यहां जान लेते हैं कि द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 8वें दिन कितना कलेक्शन किया है? द केरल स्टोरी 2 27 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुई थी और इसे ब्रिटिक्स से मिले–जुले से नेगेटिव रिव्यू मिले. फिर इसका वर्ड ऑफ़ माउथ भी ऐसा ही रहा. बावजूद इसके इस फिल्म ने दर्शकों के एक खास हिस्से को अपनी ओर खींचा, जिससे कुछ लोगों की भीड़ जरूर बढ़ी और इसी के साथ इस फिल्म की पूरे हफ्ते में कमाई में भी इजाफा हुआ. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 75 लाख से खाता खोलने वाली इस फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 22.9 करोड़ रुपये रहा.

संजू सैमसन टी–20 विश्व कप फाइनल में सर्वोच्च पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने, तोड़े कई रिकॉर्ड्स

अहमदाबाद, भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी–20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी (89 रन) खेली। यह उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का छठा और कीवी टीम के खिलाफ पहला ही अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 33 गेंदों में पूरा किया। इस पारी के दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़े। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को सैमसन और अभिषेक शर्मा (52) की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में ही 92 रन जोड़ते हुए पहले विकेट के लिए 43 गेंदों में 98 रन की साझेदारी निभाई।

इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ भी मजबूत साझेदारी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 46 गेंदों में 89 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 193.48 की रही। सैमसन टी–20 विश्व कप के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने मार्लन सैमुअल्स का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2016 के टी–20 विश्व कप में 85* रन बनाए थे। केन विलियमसन इस सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2021 के टी–20 विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 85 रन की पारी खेली थी। सैमसन टी–20 विश्व कप के इतिहास में भारत के पहले बल्लेबाज बने हैं, जिन्होंने लगातार 3 मैचों में 50+ का स्कोर बनाया है। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 89 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर–8 के करो या मरो मुकाबले में उनके बल्ले से नाबाद 97 रन निकले थे। विराट कोहली के बाद टी–20 विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल में अर्धशतक जड़ने वाले सैमसन सिर्फ दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

दिव्या दत्ता की सीरीज चिरैया का दमदार ट्रेलर जारी

दिव्या दत्ता सिनेमा का वो चेहरा हैं, जो अपने अभिनय के दम पर दिल और दिमाग में छाप छोड़ जाती हैं। फिर वह कुछ ऐसा करते दिखाई देंगी, लेकिन इस बार उन्होंने भारतीय समाज के सबसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया है। दिव्या एक ऐसी कहानी ला रही हैं जिसके जरिए समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि शादी लाइसेंस नहीं देती है। उनकी आगामी वेब सीरीज का नाम चिरैया है जिसका दमदार ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी हो गई है।

चिरैया का ट्रेलर 1 मिनट 43 सेकंड लंबा है जिसकी शुरुआत एक आदर्श परिवार से होती है। दिव्या मुख्य किरदार में हैं, और संजय मिश्रा उनके पति की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर के जरिए

बताने की कोशिश की गई है कि शादी का मतलब यह नहीं होता कि पति को अपनी पत्नी की सहमति के खिलाफ जाकर उसके साथ जबरदस्ती करने का हक मिल जाएगा। सीरीज कई साल से चली आ रही समाज की मानसिकता पर सवाल उठाती है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित चिरैया का निर्माण एसवीएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। दिव्या और संजय के अलावा, सिद्धार्थ शॉ, सरिता जोशी, फैसल राशिद, टीनू आनंद और प्रसन्ना बिष्ट जैसे सितारे सीरीज में अलग–अलग किरदारों के साथ दिखे हैं। सीरीज में कुल 6 एपिसोड हैं जिनका प्रीमियर 20 मार्च, 2026 से जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा।

जसप्रीत बुमराह टी–20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज बने, जानिए आंकड़े

अहमदाबाद,भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी–20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए। यह उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही 4 विकेट हॉल रहा है। उनकी गेंदबाजी की बदौलत ही भारतीय टीम मैच में जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरा खिताब जीतने में सफल रही। उन्हें इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' के पुरस्कार से भी नवाजा गया। बुमराह ने 256 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम को 32 रन के कुल स्कोर पर रचिन रविंद्र (1) के रूप में दूसरा झटका देते हुए मैच में अपने विकेटों का खाता खोला। इसके बाद उन्होंने शानदार गेंदबाज करते हुए जिमी नीशन (8), मैट हेनरी (0) और कप्तान मिचेल सैंटनर (43) को भी पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवरों में महज 15 रन खर्च कर ये सफलताएं अर्जित की।

टी–20 विश्व कप 2026: विजेता टीम को मिले 27.50 करोड़ रुपये, जानिए अन्य टीमों की राशि

अहमदाबाद, टी–20 विश्व कप 2026 का शानदार समापन हो गया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रन से हरा दिया। भारत ने तीसरी बार टी–20 विश्व कप का खिताब जीता है, जबकि कीवी टीम पहली बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाने से चूक गई। काफी लोगों के मन में यह उत्सुकता है कि किस टीम को कितनी पुरस्कार राशि मिली है? आइए सभी टीमों को मिली पुरस्कार राशि के बारे में जानते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस मेगा टूर्नामेंट के लिए इनाम पर कुल 123.77 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है। पिछले संस्करण में उसने 93 करोड़

रुपये की राशी खर्च की थी। विजेता टीम भारत को पुरस्कार स्वरूप 27.50 करोड़ रुपये की राशि मिली। इसके अलावा उपविजेता टीम न्यूजीलैंड को भी अच्छी खासी रकम बतौर पुरस्कार मिली है। न्यूजीलैंड को फाइनल मुकाबला हारने के बाद 14.67 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली है। टूर्नामेंट में केवल विजेता और उपविजेता टीमों पर ही नहीं, बल्कि अन्य टीमों पर भी पैसों की बारिश हुई। सेमीफाइनल में हारने वाली दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की टीमों को भी अच्छी–खासी इनामी राशि मिली। दोनों टीमों को 7.24–7.24 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं, टूर्नामेंट में सुपर–8 खेलने वाली टीमों को 3.5–3.5 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा लीग स्टेज खेलने वाली टीमों को भी 2.3–2.3 करोड़ रुपये की इनामी राशि प्रदान की गई। टी–20 विश्व कप का पहला संस्करण साल 2007 में खेला गया था। उसम समय ट्रॉफी अपने नाम करने वाली टीम को आज की तारीख में लगभग 11 करोड़ रुपये मिले थे।

एक नजर

मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को मिलेगा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद के दूरस्थ ब्लॉकों में जल्द ही मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। विभाग ने रूट भी तय कर दिये है। स्वास्थ्य विभाग ने चार मोबाइल हेल्थ वैन को अधिगृहीत किया है। इन वाहनों में दस प्रकार के टेस्ट किये जायेगें। साथ ही जरूरी दवाईयां भी मरीजों को दी जायेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन हेल्थ वैनों को कोट, कल्जीखाल, पाबौ, थलीसैंण, नैनीडांडा, बीरोंखाल, दुगड्डा व डाडामंडी क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। विभाग ने रूट तय करते हुए हेल्थ वाहनों को अपडेट करवा लिया है। सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने बताया कि पूर्व में पीपीपी मोड के जिला अस्पताल, घंडियाल, पाबौ व बीरोंखाल से चार हेल्थ वैन प्राप्त कर ली हैं। जिला अस्पताल वाली वैन को पौड़ी, जयहरीखाल, रिखणीखाल व यमकेश्वर के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। इस प्रकार से ब्लॉक वार वैन का रूट तय कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीते पांच मार्च से वैन की सेवा शुरू कर दी गई है। वैन में हेंडहेल्ड एक्सरे के साथ ही जरूरी दवाएं और रक्त व पेशाब जांच समेत दस प्रकार के टेस्ट भी किए जाएंगे। साथ ही तकनीशियन और चिकित्साधिकारियों को भी नामित किया गया है। बताया कि अन्य विकासखंडों में भी रोस्टरवार हेल्थ वैन संचालित होंगी।

देवेश्वरी को मिला नारी गौरव सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शिक्षा/उद्यमिता एवं समाजिक कार्य के लिए द न्यू होप सोसायटी द्वारा डिवाइन लाइन पब्लिक स्कूल पाटीसैण की प्रधानाध्यापिका देवेश्वरी को नारी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

द न्यू होप सोसायटी के प्रबन्धक डॉ. विजेन्द्र सिंह उत्तराखंडी ने कहा कि नारी परिवार की आधारशिला है जो परिवार, समाज, राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आज कुशल नेतृत्व कर रही है। कहा कि सम्पूर्ण समाज को नारी का सम्मान करना चाहिए, नारी सर्वत्र पूज्यनीय है। इस मौके पर ग्रीन पब्लिक स्कूल सतपुली के प्रबंधक डॉ. राकेश डोबरियाल, रिपब्लिकन पार्टी के जिला अध्यक्ष सोनू कुमार, पूर्व कनिष्क प्रमुख अनीता नेगी, पूर्व प्रधान सुधीर कोहली आदि मौजूद रहे।

तहसील दिवस आज ऊखीमठ में, डीएम सुनेंगे शिकायत

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासन को आमजन के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से जनपद रुद्रप्रयाग में तहसील दिवस का आयोजन किया जाता रहा है। इस सप्ताह जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन खण्ड विकास कार्यालय, ऊखीमठ के सभागार में किया जाएगा।

उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील दिवस के अवसर पर सभी विभागों के जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा आमजन की समस्याओं को सुना जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए निर्धारित तिथि को तहसील दिवस में उपस्थित होकर प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

सार्वजनिक शौचालय को तोड़ने पर भड़के पार्षद

श्रीनगर गढ़वाल : पीपलचौरी चौराहा स्थित सार्वजनिक शौचालय के ध्वस्तीकरण और नए निर्माण को लेकर नगर निगम वार्ड संख्या 18 के पार्षद झाबर सिंह रावत ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने महापौर और नगर आयुक्त को पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि पहले से बने शौचालय को तोड़कर नए स्थान पर नया निर्माण करवाना सरकारी धन का दुरुपयोग है।

कहा नगर निगम बोर्ड की बैठक में जबरन किसी और पार्षद से इसका प्रस्ताव रखवाया गया, जिस पर उन्होंने आपत्ति भी दर्ज कराई थी। बावजूद इसके शौचालय को तोड़ने के लिए ठेका दे दिया गया। कहा उनके वार्ड में बिना उनकी अनुमति के कराए गए इस कार्य की जांच की जाए। इस संबंध में जिलाधिकारी, शहरी विकास सचिव और श्रीनगर विधायक को भी पत्र की प्रतिलिपि भेजी गई है। (एजेंसी)

हवा हो गई पार्किंग योजना, जाम का झाम झेल रहे शहरवासी

निगम की ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर बनाई गई थी योजना, पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण लगातार बिगड़ रही व्यवस्थाएं

कोटद्वार के नजीबाबाद रोड में पार्किंग स्थल के अभाव में सड़क पर लगा जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्ष 2018 में नगर निगम का गठन हुआ तो शहरवासियों को बेहतर सुविधाओं के सपने दिखाए गए। लेकिन, आठ वर्ष बीत जाने के बाद भी शहरवासी पर्किंग जैसी मूलभूत सुविधा को तरस रहे हैं। तीन वर्ष पूर्व योजना बनाने के बाद भी नगर निगम की पार्किंग व्यवस्था धरातल पर रंग नहीं ला पाई। नतीजा, पार्किंग के अभाव में शहर की सड़कें जाम हो रही हैं। सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को हो रही है। ऐसे में कैसे व्यवस्था में सुधार होगा यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

करीब तीन वर्ष पूर्व नगर निगम ने बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह के निचले तल के साथ ही तहसील परिसर के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, नजीबाबाद चौराह के समीप बस अड्डे को जाने वाली सड़क के किनारे व देवी रोड में पार्किंग स्थल बनाने की योजना बनाई। बकायदा प्रेक्षागृह के समीप व तहसील परिसर के बाहर दीवार पर पार्किंग चार्ज भी चस्पा कर दिया गया था।

निगम कर्मी की तैनाती कर पार्किंग स्थल को शुरु भी कर दिया गया था। लेकिन, यह योजना एक सप्ताह भी नहीं चल पाई। नतीजा, आज भी शहर में दोपहिया व चार पहिया वाहन सड़क पर ही खड़े हो रहे हैं। इसके कारण यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। सबसे बुरी स्थिति नजीबाबाद रोड, झंडाचौक, स्टेशन रोड, बदरीनाथ मार्ग व गोखले मार्ग के साथ ही पटेल मार्ग पर बनी रहती है। बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण आमजन को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। शादी व त्योहार सीजन में तो स्थिति और अधिक बिगड़ जाती है। कई लोग अपने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर बाजार खरीददारी करने के लिए चले जाते हैं। जिससे स्थिति और अधिक बिगड़ जाती है।

चुनाव में नेताओं ने दिया आश्वासन

नगर निगम गठन के बाद पहली बार हुए चुनाव के साथ ही इस बार के चुनाव में भी नेताओं ने शहरवासियों को पार्किंग स्थल बनाने का आश्वासन दिया था। लेकिन, एक कार्यकाल बीत जाने व दूसरे कार्यकाल के कई माह गुजर जाने के बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जबकि, शहरवासी कई बार इस मुद्दे को गंभीरता से उठा चुके हैं।

सड़क मरम्मत में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

कोटद्वार के विभिन्न वार्डों में मार्ग मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने क्षेत्र में सड़क मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि अधिकारी समय-समय पर स्थिति का जायजा लेते रहे। गुणवत्ता में लापवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी।

सोमवार को महापौर ने निगम के अधिकारियों के साथ स्टेशन रोड, गोविंद नगर, काशीरामपुर मल्ला, कौड़िया सहित अन्य स्थानों पर पहुंचकर सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। महापौर ने कहा कि नगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सड़कों की स्थिति में सुधार करवाया जा रहा है।

वर्तमान में पचास किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है। उन्होंने अधिकारियों को बेहतर गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए मरम्मत कार्य का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कहा कि जनता की बेहतर सुविधा को देखते हुए अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करते रहें। इस दौरान उन्होंने आमजन को स्वच्छता का भी संदेश दिया। कहा कि शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने में हम सभी को योगदान देना चाहिए। घरों से निकलने वाली गंदगी को केवल निगम के कूड़ा वाहनों में ही डाले। इस मौके पर नगर आयुक्त पीएल शाह, जगदीप नौटियाल, सुभाष पांडे, कृष्णपाल, दिनेश चौहान आदि मौजूद रहे।

समिति ने उठाई घराट-मुंडला मोटर मार्ग निर्माण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति ने सरकार से घराट-मुंडला मोटर मार्ग निर्माण की मांग की है। कहा कि उत्तराखंड वन्य जीव सलाहकार समिति व नेशनल टाइगर कांजरवेशन अथारिटी से घराट–मुंडला मोटर मार्ग निर्माण को संस्तुति दी जानी चाहिए। मार्ग निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास हो सकता है।

समिति की ओर से आयोजित बैठक में अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि ग्रामीण पिछले लंबे समय से मार्ग निर्माण की मांग उठा रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने कई बार आंदोलन भी किए। बताया कि कोटद्वार से बल्ली के लिए निकलने वाले घराट-मुंडला मोटर मार्ग को वर्षों पूर्व स्वीकृति मिली थी। दस किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण को 1.39 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए थे। लेकिन, करीब पांच किलोमीटर का हिस्सा वन क्षेत्र में आने के कारण आज तक यह मार्ग नहीं बन पाया है। नतीजा, ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बीमार व गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाने में होती है। सड़क के अभाव में ग्रामीण गांव से पलायन को मजबूर हो रहे हैं। कहा कि सरकार को उक्त मार्ग निर्माण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। ज्ञापन भेजने वालो में गंभीर सिंह असवाल, राजेंद्र सिंह, गजे सिंह, चंद्र सिंह नेगी, कुंवर सिंह रावत, नारायण सिंह, कृपा राम आदि मौजूद रहे।

सट्टा खिलवाने वाले पांच युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बाजार चौकी पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी करते पांच युवाओं को गिरफ्तार किया है। युवाओं के पास से 33 हजार रुपये भी बरामद हुए हैं।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि आमपड़ाव क्षेत्र में पांच युवक सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे हैं। बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों को दबोच लिया। उनके पास से गत्ते के टुकड़े, पैन के साथ ही नगदी बरामद की है। आरोपितों की पहचान मानपुर निवासी बैताल नेगी, कफीरा, हरीश, सूर्य प्रकाश, योगेंद्र के रूप में हुई है। युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

अवैध नशे के कारोबार पर लगे लगाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भावरवासियों ने क्षेत्र में चल रहे अवैध नशे के कारोबार पर नाराजगी व्यक्त की है। कहा कि लगातार पुलिस से शिकायत के बाद भी समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। इस संबंध में लोगों ने कलालघाटी पुलिस को ज्ञापन दिया। बताया कि वार्ड नंबर 34 के साथ ही अन्य वार्डों में धड़ल्ले से नशे का कारोबार चल रहा है। इसके कारण क्षेत्र की महिलाओं का घरों से बाहर निकला भी मुश्किल हो गया है। कई लोग अवैध शराब व चरस का कारोबार कर रहे हैं। पूर्व में इस संबंध में पुलिस से भी शिकायत की गई थी। लेकिन, समस्या को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। ऐसे में क्षेत्रवासियों में रोष बना हुआ है। कहा कि पुलिस को जल्द से जल्द नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। इस मौके पर जितेंद्र सिंह, रवींद्र सिंह, आशा देवी, सुषमा देवी, प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

विचार मंच ने महिलाओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से गुरुगोरखनाथ मंदिर घिल्डियाल गांव में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंच की ओर से गांव की महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों की भी जानकारी दी गई। आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके उपरांत महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी। मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी ने कहा कि वह पिछले पांच वर्षों से हर वर्ष इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है। मुख्य अतिथि नीतू रावत ने महिलाओं को सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कहा कि आज महिलाएं देश के सर्वोच्च पदों पर पहुंचकर देश के विकास में अपना योगदान दे रही हैं। महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। कार्यक्रम में संपती नेगी ने महिला शक्ति पर कविता पाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर अन्नपूर्णा जोशी, ज्योति पटवाल, अंजू नेगी, शारदा देवी, सुनीता देवी, पूजा, रमेश चंद्र नैथानी, शिव प्रकाश कुकरेती, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, राजेन्द्र प्रसाद पंत, सोहन लाल, राजेंद्र कुमार, विजेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

बस स्टेशन के अभाव में यात्री परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल मंडल के प्रमुख केंद्र और चारधाम यात्रा के मुख्य पड़ाव श्रीनगर में आज तक समुचित बस स्टेशन का निर्माण नहीं हो पाया है। यहां स्टेशन के नाम पर परिवहन कंपनियों के केवल बुकिंग ऑफिस संचालित हो रहे हैं, जिससे यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीनगर से पौड़ी, कोटद्वार, ऋषिकेश, हरिद्वार, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली सहित कुमाऊं मंडल और चारधाम यात्रा के लिए नियमित बसें संचालित होती हैं। इसके बावजूद यहां यात्रियों के लिए यात्री शेड जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

गर्मी और बरसात में यात्रियों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। इस समस्या से बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

इस संबंध में जीएमओयू कोटद्वार के जीएम/ सचिव विजय पाल सिंह नेगी ने बताया कि श्रीनगर में बस स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे डी0एल0 नं0-UK1520140028421 में मेरा नाम मो. पुतली पुत्र हसमत उल्ला अंकित है। मैंने अपना नाम बदल कर आईजेक पुत्र हसमत उल्ला रख लिया है। भविष्य में मुझे आईजेक पुत्र हसमत उल्ला के नाम से जाना, पहचाना, पढ़ा एवं लिखा जावे। मेरे सभी दस्तावेज आईजेक पुत्र हसमत उल्ला के नाम से दर्ज है। मेरे डी0एल0 नं0-UK1520140028421 में मेरा नाम आईजेक पुत्र हसमत उल्ला दर्ज कर डी0एल0 जारी किया जाय।

आईजेक पुत्र हसमत उल्ला निवासी मोहल्ला मालवीय उद्यान बाजार, पोस्ट हनुमन्ती, दुगड्डा रेंज, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1590/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि योगेश, नरेश एवं मुकेश ने श्रीमती उमा देवी गर्ग से ग्राम सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल के खतौनी खाता सं0 64 के खेत सं0 57ख मध्ये भूतल पर निर्मित भवन के ऊपर की छत 316 वर्गमीटर पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा क्रय की है, जिसका बही सं0 1, जिल्द 269/296 पृष्ठ 171/259 से 270 क्रमांक 3236 दिनांक 24-09-2010 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार में पंजीकृत है। जो कहीं खो गयी है, काफी ढूढ़ने पर भी नहीं मिल पा रही है।

योगेश कुमार पुत्र गोकुलचन्द निवासी भगवती इन्क्लेव, नजीबाबाद कोटद्वार, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1591/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पोस्ट ऑफिस मलेठी वाया सतपुली गढ़वाल में ग्रामीण डाक जीवन बीमा के पालिसी नं0-R-UA-EA-367893 में मेरा नाम कल्पेश्वरी देवी दर्ज है, जबकि आधार कार्ड नंबर- 8238 5823 6060 तथा पैन कार्ड नं0- DLOPK0068Q में मेरा नाम कलावती दर्ज है। कल्पेश्वरी देवी तथा कलावती दोनों एक ही महिला याने मेरे ही नाम है। अतः मेरा नाम कलावती ही पढ़ा, लिखा, माना व जाना जाय।

कलावती पत्नी महेन्द्र निवासी के-89, विजय विहार, फेस 2 अवन्तिका, उत्तरी पश्चिमी दिल्ली 110085 हाल निवासी ग्राम मलेठी पोस्ट मलेठी, तहसील सतपुली, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1589/21)

मार्ग निर्माण को धरना जारी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर लोगों का धरना जारी है। लोगों ने जल्द मार्ग को एलिवेट-ेड नहीं बनवाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए मार्ग का एलिवेटेड बनना आवश्यक है।

सोमवार को लोगों ने चिल्लरखाल वन चौकी के समीप बैठकर धरना दिया। कहा कि जनता लगातार धरने पर डटी हुई है। लेकिन, अब तक सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, अब तक सरकार मार्ग निर्माण की स्थिति को नहीं बता पाई है। कहा कि क्षेत्रवासी केवल एलिवेटेड मार्ग ही चाहते हैं। मार्ग के बेहतर निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही सिगड्डी के मंद पड़े व्यापार को भी गति मिलेगी। यही नहीं, इस मार्ग का निर्माण होने से कण्वाश्रम को भी नई पहचान मिलेगी। शहरवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। कोटद्वार को राजधानी से जोड़ने का एक बेहतर विकल्प मिलेगा। कहा कि स्थानीय जनता लंबे समय से मार्ग निर्माण को धरना दे रही है। लेकिन, अब तक सरकार चुप्पी साधे हुए है।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना देते लोग

कमीशन प्राप्त कर सेना में लेफ्टिनेंट बनें आशुतोष

सेना में लेफ्टिनेंट बनने के बाद अपने माता-पिता के साथ आशुतोष सिंह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मूल रूप से नैनीडांडा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत चिनवाड़ी के रहने वाले आशुतोष सिंह बिष्ट कमीशन प्राप्त कर सेना में लेफ्टिनेंट बने हैं। आशुतोष ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

ग्राम चिनवाड़ी निवासी आशुतोष सिंह के पिता कुलदीप सिंह बिष्ट भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त हैं जबकि माता बीना बिष्ट गृहणी हैं।

आशुतोष सिंह ने शुरुआती पढ़ाई एयर फोर्स स्कूल दिल्ली से की। इसके उपरांत उन्होने बीटेक किया। बीटेक के उपरांत संयुक्त रक्षा सेवा (एसएससी-टेक) में निकल गए और एक अप्रैल 2025 से आशुतोष उनकी पढ़ाई शुरू हो गई।

उन्होंने लेफ्टिनेंट का पद संभाला और उन्हें नगरौट जम्मू में तैनाती मिली। तीन बड़ी बहनों में आशुतोष सबसे छोटे हैं। आशुतोष बताते हैं कि वह बचपन से ही सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहते थे। उन्हें अपने दादा कुंदन सिंह से काफी प्रेरणा मिली है। आशुतोष कहते हैं कि यदि लक्ष्य तय कर जीवन में आगे बढ़ा जाएं तो मंजिल अवश्य मिलती है।

सेना में लेफ्टिनेंट बनी कीर्ति शर्मा

स्वजनों के साथ लेफ्टिनेंट कीर्ति शर्मा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार की रहने वाली कीर्ति शर्मा पासिंग आउट होकर सेना में लेफ्टिनेंट बनी है। बेटी की इस सफलता पर स्वजनों ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि कीर्ति को अपने दादा व माता से सेना में भर्ती होने की प्रेरणा मिली।

कीर्ति ने मित्तल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी कॉलेज भोपाल से बीएससी की। देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा लिए उसने इसी दौरान एनसीसी में भी एडमिशन ले लिया। स्नातक के दौरान कड़ी मेहनत और लगन से उसने एनसीसी में ए ग्रेड के साथ एनसीसी सी प्रमाणपत्र हासिल किया। स्नातक पास होने के बाद एनसीसी की विशेष भर्ती के तहत उसने आर्मी अधिकारी के लिए आवेदन किया। कीर्ति ने प्रयागराज उत्तर प्रदेश में आर्मी की एसएसबी साक्षात्कार पास करने के बाद ऑफसर ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) चेन्नई ज्वाइन की। एक साल का प्रशिक्षण पास करने के बाद कीर्ति ने सात मार्च को ओटीए में पासिंग आउट परेड के बाद लेफ्टीनेंट के पद पर सेना अधिकारी के रुप में कमीशन प्राप्त किया। बेटी की सफलता पर पिता रूपेश शर्मा व माता रेनू शर्मा ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि कीर्ति को सेना में भर्ती होने की प्रेरणा उनके दादा सेवानिवृत्त सुबेदार सुरेद्र चंद्र ग वाड़ी और मामा कर्नल दीपक डबराल से मिली।

पांच वर्ष से श्रमिकों को नहीं मिली मजदूरी, आंदोलन की दी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : विकासखण्ड रिखणीखाल क्षेत्र के अंतर्गत ढाबखाल-बुलेखा मार्ग का निर्माण कार्य पूरा होने के पांच वर्ष बाद भी कार्यदायी संस्था ने श्रमिकों को भुगतान नहीं किया है। जिससे श्रमिकों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि न केवल श्रमिकों बल्कि वाहन स्वामियों, दुकानदारों को भी भुगतान नहीं किया गया है। कार्यदायी संस्था अब इस मामले से अपना पल्ला झाड़ने लगी है। ग्रामीणों ने जल्द भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

बता दें कि ढाबखाल से बुलेखा तक 14.43 किमी. लंबी सड़क का निर्माण वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सिंचाई खंड श्रीनगर ने शुरू किया था। इसके लिए 537.37 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई थी। स्थानीय निवासी दौलत सिंह, भारत सिंह बिष्ट ने बताया कि पीएमजीएसवाई की कार्यदायी संस्था ने ग्रामीणों से निर्माण कार्य करवाकर उन्हें भुगतान नहीं किया। इसे लेकर गतवर्ष ग्रामीणों ने खनेता के ग्राम प्रधान सुल्तान सिंह की अगुवाई में ढाबखाल-बुलेखा मोटर मार्ग तिराहे को सात घंटे तक जाम भी रखा था। विधायक दिलीप रावत की पहल पर पीएमजीएसवाई के अधिकारियों द्वारा अवशेष राशि का भुगतान करने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम खोला था। इसके बाद भी भुगतान अब तक नहीं मिल सका है। ग्रामीण दौलत सिंह ने बताया कि कंपनी के ठेकेदार के खिलाफ रिखणीखाल थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। इसकी जांच चल रही है व ठेकेदार लापता है।

अरुण बहुगुणा, अधिशासी अभियंता, पीएमजीएसवाई श्रीनगर का कहना है कि विभाग द्वारा कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत धनराशि दे दी गई है। संस्था व श्रमिकों के बीच निर्माण कार्य पर क्या समझौता हुआ था, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मामला सामने आने पर कार्यदायी संस्था से श्रमिकों को 5 लाख की राशि दिलाई गई थी। कुछ और राशि श्रमिकों को दिलवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

छावनी परिषद् लैन्सडौन (पौड़ी गढ़वाल)

कोटेशन नोटिस (2nd Call)

छावनी परिषद् लैन्सडौन को प्रतिदिन पीने के शुद्ध पानी की आपूर्ति हेतु वाटर टैकरों से जो प्रतिदिन लगभग 10000 लीटर से 60000 लीटर तक आवश्यकतानुसार पीने के पानी की आपूर्ति कर सकें की आवश्यकता हेतु इस कार्यालय में पंजीकृत डीलरों/ठेकेदारों/सप्लायरों से ऑनलाइन कोटेशन www.defproc.gov.in वेबसाईट पर आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्न है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की तारीख	23 मार्च 2026 समय 1500 बजे तक
कोटेशन खोलने की तारीख	24 मार्च 2026 समय 1530 बजे

कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑन लाईन भरे जाएंगे व कोटेशनों से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें भी इसी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 2511/ 2026-27 छा0परि0
दिनांक :..... मार्च 2026

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद् लैन्सडौन।

(1564/57)

कार्यालय- नगर पालिका परिषद् दुगड्डा, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक 1845 /इले0बो0/2025-26 दिनांक 09/03/2026

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 हेतु नगर पालिका परिषद् दुगड्डा क्षेत्रान्तर्गत स्वच्छता से सम्बन्धित संदेश एवं दीवार लेखन (Wall Painting) का कार्य किये जाने हेतु उत्तराखण्ड शासन वित (वे0अ0-सा0नि0) अनुभाग-7 संख्या 47/xxvii (7)32(1) /2025 देहरादून दिनांक 13.08.2025 (उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2025 के नियम 3.3 के अन्तर्गत 3.3.2) के अनुसार दरें, उक्त कार्य को करने वाले फर्मों / व्यक्तियों से मोहरबन्द कोटेशन फर्म के लैटर पैड पर दिनांक 13/03/2026 को दोपहर 2.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो उसी दिन शांय 3:00 बजे कोटेशन समिति द्वारा खोली जायेंगी। कोटेशन तिथि को अवकाश की स्थिति में अगला कार्य दिवस निर्धारित तिथि मानी जायेगी। कोटेशन के साथ रू0 100/ का स्टाम्प पेपर रसीदी टिकट लगा व जी0एस0टी0 पंजीयन पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। कोटेशन के साथ रू0 7500/– की धरोहर राशि बतौर FDR/CDR/NSC जो कि अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद् दुगड्डा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है। सशर्त एवं कालातीत कोटेशन स्वीकार नहीं की जायेंगी। कोटेशन बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। अन्य शर्तें / जानकारी कोटेशन दिवस से पूर्व कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को ज्ञात की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम / विवरण	दर प्रति नग/ कार्य
1	स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 हेतु नगर पालिका परिषद् दुगड्डा क्षेत्रान्तर्गत स्वच्छता से सम्बन्धित संदेश एवं दीवार लेखन (Wall Painting) का कार्य।	
	साधारण शब्दों एवं फॉन्ट में दीवार लेखन।	
	3 डी शब्दों एवं फॉन्ट में दीवार लेखन व कल्चरल आर्ट।	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद् दुगड्डा,

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् दुगड्डा,

(1565/63)

संक्षिप्त समाचार

खिड़की नाटक का किया मंचन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में संस्कृति मंत्रालय के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और विवि के प्रयास से पांच दिवसीय हिमाद्री नाट्य समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विष्णुदत्त कुकरेती ने दीप प्रज्वलित कर किया। पहले दिन एकलव्य ग्रुप देहरादून ने विकास वाहरी द्वारा लिखित और अखिलेश नारायण द्वारा निर्देशित नाटक खिड़की का मंचन किया। नाटक में वेदिका की भूमिका जागृति और लेखक की भूमिका अखिलेश नारायण ने निभाई। प्रकाश संयोजन अक्षत मैंडोली और संगीत सुप्रिया मौलिक का रहा। इस अवसर पर निदेशक गणेश खुगशाल, उपनिदेशक डॉ. संजय पांडेय, सह निदेशक महेंद्र पंवार और प्रयागराज से कोर्डिनेटर हरीश असवाल मौजूद रहे।

क्षेत्र में नहीं है जल निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था

उत्तरकाशी। जोशियाड़ा वार्ड में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई उचित कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां पर ड्रेनेज सिस्टम के लिए कई बार प्रशासन की ओर से संयुक्त सर्वे भी करवाया गया लेकिन उससे आगे कार्रवाई नहीं बढ़ पाई है। अब दोबारा बरसात में उन्हें इस समस्या का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को जोशियाड़ा वार्ड के लोगों ने सभासद सुनीता नेगी के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वार्ड के कालेश्वर मार्ग पर कई वर्षों से बरसात के दौरान जलभराव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालियों पर अतिक्रमण होने के कारण बरसात का पूरा पानी लोगों के घरों में घुसने के कारण उन्हें हर वर्ष नुकसान उठाना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय ड्रेनेज सिस्टम निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन हर बार अधिकारियों की ओर से सर्वे किया जाता है। उसके बाद किसी प्रकार की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती है। गत वर्ष भी सिंचाई, राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर जल्द ही कार्ययोजना तैयार करने का आश्वासन दिया था लेकिन योजना पर अभी तक कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है।

साथ ही अब दोबारा बरसात का मौसम आने वाला है। इससे लोगों को एक बार फिर नुकसान का डर सताने लगा है। उन्होंने जल्द ही कालेश्वर मार्ग से अतिक्रमण हटाने और ड्रेनेज सिस्टम योजना को शुरू करने की मांग की है। कई बार वे धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं। इसलिए अब अगर जल्द कार्रवाई नहीं होती है तो आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होन पड़ेगा। डीएम प्रशांत आर्य ने एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम ने सुनी शिकायतें, 26 का किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को आयोजित किए जाने वाले जनसंवाद/जनता मिलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में आम जनमानस की समस्याओं को सुनने तथा उनके त्वरित निराकरण हेतु जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

जनता मिलन कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 26 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष शिकायतों को आवश्यक कार्यवाही एवं निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता मिलन कार्यक्रम में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान मैखंडा निवासी रमेश लाल ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान उनकी गौशाला क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन अभी तक उन्हें मुआवजा नहीं मिल पाया है। वहीं नारायणकोटी निवासी जसपाल लाल ने भी एनएच द्वारा उनकी दुकान तोड़े जाने के बाद मुआवजा न मिलने की समस्या जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ आर.पी. नैथानी, जिला समाज कल्याण अधिकारी टी.आर. मलेठा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ विनोद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं आम जनमानस उपस्थित रहे।

अधिंकाश कर्मचारी स्टेशन लीव नियम का नहीं कर रहे पालन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि लैंसडौन में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में तैनात अधिकांश कर्मचारी स्टेशन लीव नियम का पालन नहीं कर रहे है। कर्मचारी प्रतिदिन 40 से 42 किलोमीटर से आना जाना कर रहे है। उन्होंने स्टेशन लीव नियम का पालन करवाने की मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजा है। उद्योग व्यापार मंडल व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में कहा कि सरकारी कार्यालयों के अधिकांश कर्मचारी जो कि लैंसडौन में तैनात है वह स्टेशन लीव नियम का पालन नहीं कर रहे है। कर्मचारी 40 से 42 किलोमीटर से आना-जाना कर रहे है, जो कि स्टेशन लीव नियम का उल्लंघन है। कहा कि स्टेशन लीव नियम का उल्लंघन होने से सरकारी आवास खाली पड़े है। जिस कारण लैंसडौन के व्यापार पर प्रभाव पड़ रहा है। कहा कि पूर्व में स्टेशन लीव नियम का पालन किया जाता था। जिसकी वजह से कर्मचारी 8 किलोमीटर के दायरे से बाहर नहीं जाता था। जिससे वह स्थानीय बाजार से ही खरीदारी करता था। साथ ही कार्यालय का कार्य प्रभावित भी नहीं होता था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को स्टेशन लीव नियम का पालन करना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कांग्रेस नगर अध्यक्ष गंभीर सिंह रावत सहित व्यापार मंडल के सदस्य शामिल थे।

क्षेत्र में नहीं है जल निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था

उत्तरकाशी। जोशियाड़ा वार्ड में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई उचित कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां पर ड्रेनेज सिस्टम के लिए कई बार प्रशासन की ओर से संयुक्त सर्वे भी करवाया गया लेकिन उससे आगे कार्रवाई नहीं बढ़ पाई है। अब दोबारा बरसात में उन्हें इस समस्या का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को जोशियाड़ा वार्ड के लोगों ने सभासद सुनीता नेगी के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वार्ड के कालेश्वर मार्ग पर कई वर्षों से बरसात के दौरान जलभराव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालियों पर अतिक्रमण होने के कारण बरसात का पूरा पानी लोगों के घरों में घुसने के कारण उन्हें हर वर्ष नुकसान उठाना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय ड्रेनेज सिस्टम निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन हर बार अधिकारियों की ओर से सर्वे किया जाता है। उसके बाद किसी प्रकार की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती है। गत वर्ष भी सिंचाई, राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर जल्द ही कार्ययोजना तैयार करने का आश्वासन दिया था लेकिन योजना पर अभी तक कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है। साथ ही अब दोबारा बरसात का मौसम आने वाला है। इससे लोगों को एक बार फिर नुकसान का डर सताने लगा है। उन्होंने जल्द ही कालेश्वर मार्ग से अतिक्रमण हटाने और ड्रेनेज सिस्टम योजना को शुरू करने की मांग की है। कई बार वे धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

कृषि विभाग में अनियमितताओं के प्रकरण में जांच के आदेश

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने विगत दिनों दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों का गंभीरता से संज्ञान लिया है, जिनमें कृषि विभाग के अंतर्गत निर्धारित कानूनों का पालन न किए जाने तथा इससे किसानों, आमजन, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न होने की बात कही गई है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रकाशित समाचार के अनुसार विभाग द्वारा नियमों के विरुद्ध अपात्र व्यक्तियों एवं फर्मों को पेस्ट कंट्रोल के लाइसेंस जारी करने तथा कुछ दुकानों पर प्रतिबंधित कीटनाशकों की अवैध बिक्री किए जाने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विभागीय सचिव को पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और यदि किसी भी स्तर पर दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है ।

केदारनाथ यात्रा को दिव्य एवं भव्य बनाने के लिए प्रशासन की तैयारियां तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : आगामी श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में पत्रकारों से वार्ता की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री केदारनाथ धाम यात्रा को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सभी विभागों के माध्यम से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। बताया कि यात्रा के सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुपालन विभाग को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि यात्रा मार्ग में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों का नियमानुसार पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी प्रमुख सड़कों और संपर्क मार्गों को यातायात के लिए पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा। इसके लिए लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित विभागों को आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बदरीनाथ-केदारनाथ हाईवे को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण पुल के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए पुल का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी सभी सुरक्षा मानकों के अनुसार जांच की जाएगी। सुरक्षा मापदंडों की पूर्ण पुष्टि होने के बाद ही पुल को यातायात के लिए सुचारू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका और सभी नगर पंचायतों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा में आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान किया जाए। इसके लिए सभी विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश के 13 जनपदों में 13 मार्च तक होंगे महिला जनसुनवाई कार्यक्रम

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने मीडिया सेंटर, सचिवालय, देहरादून में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि राज्य सरकार और महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर महिलाओं से संबंधित घटनाओं और समस्याओं का स्वतः संज्ञान लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व में सामने आए अधिकांश मामलों में संबंधित पक्ष एक–दूसरे के परिचित रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अभिभावकों के लिए बच्चों की गतिविधियों की निगरानी करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की घटना या समस्या की जानकारी निशुल्क दूरभाष नंबर 112 पर दें। साथ ही गौरा शक्ति ऐप डाउनलोड करने तथा आयोग के दूरभाष नंबर पर संपर्क करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान और महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 13 मार्च, 2026 तक महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय सभागार, देहरादून में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एमडीडीए का एक्शन, मनीराम मार्ग क्षेत्र में भवन सील

देहरादून।मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने ऋषिकेश में अवैध बहुमंजिला निर्माण पर बड़ी कार्रवाई की।टीम ने मनीराम मार्ग क्षेत्र में भवन सील कर दिया है।

स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप निर्माण नहीं हो रहा था। शिकायत के बाद टीम ने काम रोक दिया है। मसूरीझ्रदेहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल भवन को सील कर दिया। बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण पर कार्रवाई की गई। सरला अग्रवाल और रेनू गोयल द्वारा मनीराम मार्ग क्षेत्र में बहुमंजिला भवन का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि शहर में बिना अनुमति के हो रहे निर्माण न केवल शहरी नियोजन को प्रभावित करते हैं।

महिला कांग्रेस ने सिलेंडर सिर पर लेकर किया प्रदर्शन

देहरादून।उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस ने रसोई गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से गैस सिलेंडर को फूल–माला पहनाकर उसकी अंत्येष्टि की। महिलाओं ने धूपबत्ती जलाकर केंद्र सरकार की महंगाई की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सोमवार को उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से सिर पर गैस सिलेंडर उठाकर गैस के दाम बढ़ाये जाने के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा जिला मुख्यालय की ओर पदयात्रा निकाली। पदयात्रा कनक चौक तक पहुंची, जहां पुलिस प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग लगा कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चूल्हे पर लकड़ी जलाकर रोटी और सब्जी बनाई। प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने बताया कि महिलाओं ने वहीं पर बनी रोटी और सब्जी लोगों को खिलाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ा जा रहे हैं जिससे जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। आज गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है और गरीब तथा मध्यम वर्ग के लिए घर चलाना कठिन होता जा रहा है।

उत्तर रेलवे

सूचना

अधिसूचना सं. 20/हाल्ट टिकट आवंटन/मुरादाबाद मण्डल/2023.सी दिनांक 06.03.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे, मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुरादाबाद मण्डल के निम्नलिखित हाल्ट स्टेशन पर टिकिट बुकिंग अभिकर्ता की नियुक्ति किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाते है।

क्रम सं.	हाल्ट का नाम	(Depot) पोषित स्टेशन	किन–किन स्टेशन के बीच
1.	आध्यात्मिक नगर हाल्ट	हापुड़	डासना, [illegible]
2.	बहादुरपुर हाल्ट	शाहजहाँपुर	[illegible]
3.	[illegible] हाल्ट	हापुड़	[illegible]
4.	[illegible] हाल्ट	हापुड़	हापुड़, [illegible]
5.	सिरसी मखदूमपुर हाल्ट	सम्भल हातिमसराय	सम्भल हातिमसराय, हजरत नगर
6.	[illegible] हाल्ट	बलियाखेड़ी	बलियाखेड़ी–[illegible]
7	[illegible] हाल्ट	[illegible]	[illegible]
8	[illegible] हाल्ट	बैनीगंज	बैनीगंज– [illegible]

सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन दिनांक 01.04.2026 को 10.00 बजे से 14.00 बजे तक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय मण्डल रेल प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कमरे में रखे हुये बॉक्स में डाले जायेंगे तथा 14.00 बजे के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा, एवं उसी दिन 15.00 खोले जायेंगे।
उसी तिथि में 01.04.2026 बजे आवेदनकर्ता या उनके प्रतिनिधियों के सामने आवेदन खोले जायेंगे। यदि दिनांक 01.04.2026 को कोई अवकाश होता है। तो आवेदन अगले कार्य दिवस में उक्त समय डाले व खोले जायेंगे।
आवेदन पत्र पात्रता, नियम व शर्तों का पूर्ण विवरण उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है या मण्डल रेल प्रबंधक वाणिज्य शाखा से जानकारी ली जा सकती है। विलम्ब से प्राप्त हुए आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

778/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यूसीसी, लखपति दीदी और चारधाम यात्रा व्यवस्था पर सरकार को घेरा

– नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल के अभिभाषण को बताया निराशाजनक और दिशाहीन

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने इसे निराशाजनक, दिशाहीन, संकल्पविहीन और विकास विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक और संसदीय जीवन में उन्होंने इतना कमजोर और वास्तविकता से कटा हुआ अभिभाषण पहले कभी नहीं सुना।

उन्होंने कहा कि यह अभिभाषण सफेद कागज पर झूठ की काली स्याही से लिखी इबारत जैसा है, जिसमें प्रदेश की वास्तविक समस्याओं, जनता की पीड़ा और राज्य के सामने खड़ी चुनौतियों का कहीं उल्लेख नहीं है। आर्य के अनुसार राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की प्राथमिकताओं, नीतियों और लक्ष्यों का दस्तावेज होता है, लेकिन इसमें पिछले चार वर्षों की उपलब्धियों और अधूरे लक्ष्यों का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वर्ष 2022 में भाजपा सरकार बनने के बाद यह राज्यपाल का पाँचवाँ अभिभाषण है, लेकिन इतने समय बाद भी सरकार के पास बताने के लिए ठोस उपलब्धियाँ नहीं हैं। उनका आरोप है कि सरकार हर वर्ष अपने लक्ष्य बदल देती है या अपने ही घोषित लक्ष्यों से पीछे हट जाती है। उन्होंने सरकार के दावे के अनुसार लागू की गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर भी सवाल उठाए। आर्य ने कहा कि सरकार 5.27 लाख आवेदन मिलने की बात कर रही है, लेकिन इनमें से अधिकांश आवेदन सरकारी कर्मचारियों के हैं, जिन्हें प्रशासनिक दबाव या वेतन रुकने के डर से पुराने विवाहों का पुनः पंजीकरण कराने के लिए मजबूर किया गया। आर्य ने ह्लखपति दीदीह्व योजना के दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि प्रदेश में ढाई लाख महिलाएँ लखपति बन चुकी हैं, तो सरकार उनकी सूची सार्वजनिक करे। उनका आरोप है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के बजाय उन्हें कर्ज के बोझ तले दबा दिया गया है।उन्होंने चारधाम यात्रा व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि शीतकालीन यात्रा को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि पिछले दो यात्रा सीजन में अव्यवस्था और कुप्रबंधन के कारण होटल व्यवसायियों, टैक्सी चालकों, घोड़ा–खच्चर संचालकों और छोटे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा है। आर्य ने कहा कि बागवानी और कृषि योजनाओं में भी किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। सब्सिडी और प्रोत्साहन के बड़े–बड़े दावे किए गए, लेकिन कई किसानों को अपनी लागत तक नहीं मिल पाई, जिससे वे आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चार वर्षों की वास्तविक उपलब्धियाँ बताने के बजाय वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र और विकसित प्रदेश बनाने जैसे दूरगामी नारों के जरिए जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

ओएनजीसी बना पीएसपीबी इंटर यूनिट बास्केटबॉल–वॉलीबॉल चैंपियन

देहरादून।33 वें बास्केटबॉल व 45 वें वॉलीबॉल पीएसपीबी इंटर यूनिट प्रतियोगिता में गत विजेता ऑयल को हराकर मेजबान ओएनजीसी ने बास्केटबॉल का खिताब अपने नाम किया। वॉलीबॉल में ओएनजीसी ने गत विजेता बीपीसीएल को शिकस्त देकर खिताब अपनी झोली में डाला। न्यू मल्टीपर्पज हॉल परेड ग्राउंड में चल रही प्रतियोगिता में सोमवार को फाइनल मुकाबले खेले गए। बास्केटबॉल में मेजबान ओएनजीसी ने गत विजेता ऑयल को 23–16, 30–22, 15–16, 16–14 (84–68) से हराकर खिताब जीता। ओएनजीसी के सुमंत ने 22, प्रिंस ने 14 और अंकुश ने 12 अंक जोड़े। ऑयल के लिए आशीष ने 18, आदित्य ने 10 और स्वामी ने 8 अंक जुटाए। ओएनजीसी के सुमंत को बेस्ट प्लेयर घोषित किया गया। मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर का पुरस्कार अंकुश को प्रदान किया गया। इसके अलावा ऑयल इंडिया के आदित्य को बेस्ट डिफेंडर चुना गया। उधर, वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में ओएनजीसी ने पिछली बार की विजेता बीपीसीएल को सीधे सेटों में 3–0 (25–15, 25–17, 25–18) से हराकर खिताब अपने नाम किया। हार्डलाइन मैच में ऑयल इंडिया ने एमआरपीएल को 3–0 से हराकर तृतीय स्थान हासिल किया। ओएनजीसी के प्रीत करन को बेस्ट सेटर, जसजोध को बेस्ट ब्लॉकर और धीरज भाटिया को बेस्ट अटैकर चुना गया। मुख्य अतिथि एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुख्य मानव संसाधन एवं अध्यक्ष ओएनजीसी स्पोर्ट्स कमेटी शील सूद, विशिष्ट अतिथि एडवाइजर पीएसपीबी ललित वत्स ने पुरस्कार वितरित किए। इस दौरान हेड स्पोर्ट्स ओएनजीसी निशांत कुमार, जीएम एचआर पवन सैनी, इंचार्ज लॉजिस्टिक एंड सीसी विशाल शर्मा, उत्तराखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव मनदीप ग्रेवाल, देवेंद्र सिंह बिष्ट, विक्रम बिष्ट आदि मौजूद रहे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स ने यमुना कालोनी में दिया धरना

देहरादून। विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे प्रदेश भर के विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने सोमवार को यमुना कालोनी स्थित चीफ इंजीनियर कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान उन्होंने मांगें पूरी ना होने पर 23 मार्च से प्रदेश व्यापी हड़ताल का ऐलान भी किया। सुबह से ही विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर यमुना कालोनी पहुंचने लगे थे। करीब ग्यार बजे वे हाथों में तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर चीफ इंजीनियर कार्यालय के बार प्रदर्शन करने लगे। इसके बार सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वे वही धरने पर बैठक गए। संघ के प्रांतीय महासचिव वीरेंद्र गुसाईं ने बताया कि इंजीनियरिंग कैडर के अनुरूप शासन स्तर से नियमावली में गड़बडी की जा रही है। जिससे वेतन सहित कई तरह की विसंगतियां आ गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन के आश्वासन के बाद भी कार्रवाई ना होना चिंताजनक है। प्रांतीय अध्यक्ष इंजीनियर आरसी शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि 20 तक मांगों का समाधान नहीं हुआ तो डिप्लोमा इंजीनियर 23 से प्रदेश भर में हड़ताल पर चले जाएंगे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 29 एस.एल.आर
गाड़ी सं0 14316 (F-I, F-II, R-I), 12912 (F-I), 14308 (F-I, F-II, R-I), 14631 (F-I, F-II, R-I), 14230 (F-II, R-I), 12056 (F-I), 14310 (F-I), 14342 (F-I), 14120 (F-I), (14090 (F-I, F-II, R-I), 14318 (F-I), 15019 (F-I), 19272 (F-I), 14311 (F-I), 14609 (F-I), 19610 (R-I), 12172 (F-I), 12402 (R-I), 15120 (F-I), 19272 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई– नीलामी के तहत दिनांक 23.03.26 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध है।
• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 28 एस.एल.आर:
गाड़ी सं0 14320 (F-I, F-II, R-I), 14236 (F-I), 14321 (F-I), 14718 (F-I, F-II, R-I), 12091 (F-I, F-II, R-I), 14315 (F-I, F-II, R-I), 14605 (F-I), 12037 (F-I), 12018 (F-I), 14887(F-I,F-II,R-I), 14304 (F-I,F-II,R-I), 14306 (F-I, F-II, R-I), (12370-F-I), 14314 (R-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई– नीलामी के तहत दिनांक 24.03.26 (Timings: 10:00 am) की बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध है।

783/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हिमालय के सच्चे मित्र डेविड भाई नहीं रहे

कौसानी (बागेश्वर)। हिमालयी पर्यावरण, भूगोल और गांधीवादी जीवन मूल्यों के प्रति समर्पित व्यक्तित्व डेविड जेरार्ड हॉपकिंस, जिन्हें पूरे क्षेत्र में स्नेहपूर्वक ह्यडेविड भाईह्व के नाम से जाना जाता था, अब इस दुनिया में नहीं रहे। सोमवार तड़के सुबह लगभग 4 बजे 78 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही देशभर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों, भूगोलविदों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। पिछले पाँच दशकों में हिमालयी क्षेत्र में हुए पर्यावरणीय परिवर्तनों के वे एक जीवंत साक्षी रहे और अपने ज्ञान, अनुभव तथा संवेदनशील दृष्टि से उन्होंने अनगिनत लोगों को प्रेरित किया। डेविड भाई ने अपना अधिकांश जीवन उत्तराखंड के कौसानी स्थित लक्ष्मी आश्रम में बिताया, जहाँ उन्होंने दशकों तक सेवा करते हुए शिक्षा, पर्यावरण चेतना और गांधीवादी जीवन पद्धति के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शांत स्वभाव, सादगीपूर्ण जीवनशैली और कार्य के प्रति अदम्य निष्ठा के कारण वे आश्रम परिवार, विद्यार्थियों और क्षेत्र के लोगों के बीच अत्यंत सम्मान और स्नेह के पात्र बने रहे।

9 दिसंबर 1947 को लंदन में विनीफ्रेड और ग्लिन हॉपकिंस के घर जन्मे डेविड भाई ने मिडलसेक्स और केंट के विद्यालयों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1969 में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय से भूगोल में बीए ऑनर्स तथा 1971 में लीड्स विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट सर्टिफिकेट ऑफ एजुकेशन प्राप्त किया। पहाड़ों और यात्राओं के प्रति उनके गहरे आकर्षण ने उन्हें पहले वेल्स, स्कॉटलैंड और नॉर्वे तक पहुँचाया ।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com